खाटू में बैठी जो सरकार है सुनता हूँ दिनों की आधार है लिरिक्स

खाटू में बैठी जो सरकार है,
सुनता हूँ दिनों की आधार है।bd।

तर्ज – साजन मेरा उस पार है।

पैसों का जोर यहां ना चलता है,
सच्चे प्रेमी को सांवरा मिलता है,
सेठों का तोड़ता अहंकार है,
दर पर दीवानों की बहार है,
खाटु में बैठी जो सरकार है,
सुनता हूँ दिनों की आधार है।bd।

जिसको नशा है श्याम की यारी का,
उसको क्या मतलब दुनियादारी का,
जग कि फिर उसको क्या दरकार है,
रिश्तों से सच्चा इसका प्यार है,
खाटु में बैठी जो सरकार है,
सुनता हूँ दिनों की आधार है।bd।

सुनता हूं लाखो पापी तारे हैं,
दिन और दुखियों के श्याम सहारे हैं,
हारो को मिलता तेरा प्यार है,
'दीपक' भी करता है इंतजार है,
खाटु में बैठी जो सरकार है,
सुनता हूँ दिनों की आधार है।bd।

खाटू में बैठी जो सरकार है,
सुनता हूँ दिनों की आधार है।bd।

– गायक एवं प्रेषक –
अजय कुमार शर्मा 'दिपक'
७९७९९२९९५४

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com